हिन्दुस्तान
1936 सत्य • सार्थक • सदैव
भरोसा नए हिन्दुस्तान का
शुक्रवार
21 जुलाई 2023, श्रावण (अधिक) शुक्ल पक्ष, तृतीया/चतुर्थी, विक्रम सम्वत् 2080, वाराणसी

इंडो अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स की वाराणसी शाखा की ओर से पहल, विद्यार्थियों को विदेश में शिक्षा के लिए दिए गए टिप्स

बसने नहीं, पढ़ने के लिए अमेरिका जाएं छात्र

बीएचयू

- अमेरिकी दूतावास के अफसरों ने किया विद्यार्थियों का मार्गदर्शन
- छात्र-छात्राओं संग साझा कीं जानकारियां, जिज्ञासा भी शांत की

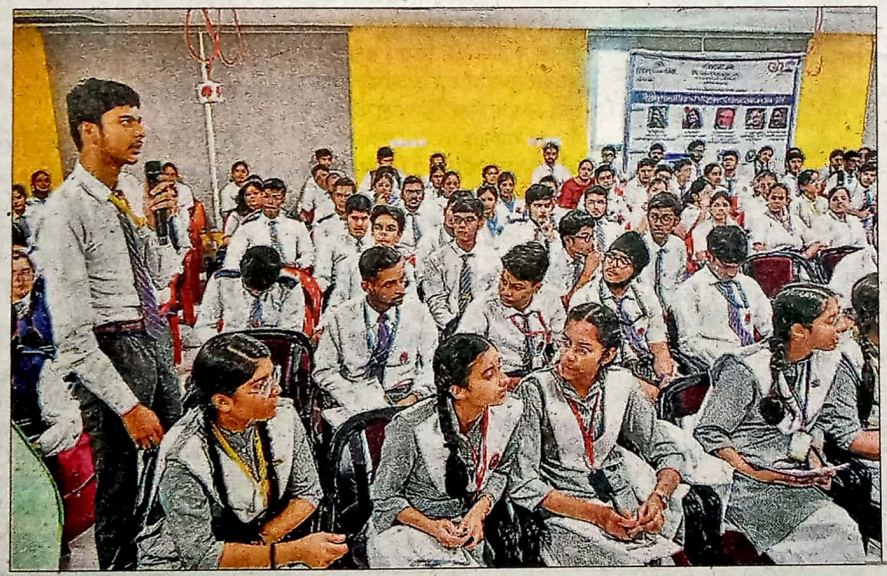

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। बनारस और आसपास के जिलों में विद्यार्थियों के 'मिशन अमेरिका' के सपने को गुरुवार को विशेषज्ञों ने पंख दिए। बीएचयू के अटल इन्क्यूबेशन सेंटर में इंडो अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स वाराणसी की तरफ से आयोजित 'अमेरिका में उच्च शिक्षा के अवसर' विषयक संगोष्ठी में स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों को कई अहम जानकारियां दी गईं। वक्ताओं ने कहा कि छात्र अमेरिका बसने के लिए नहीं पढ़ने के लिए जाएं।

यूनाइटेड स्टेट्स इंडिया एजुकेशनल फाउण्डेशन (यूएसआईईएफ) नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास की गौरी कालरा रहीं। उन्होंने कार्यक्रम को भारत तथा अमेरिकी छात्रों के बीच शैक्षणिक तथा सांस्कृतिक ज्ञान को बढ़ाने का सार्थक प्रयास बताया। सलाह दी कि छात्र केवल उन्हीं संस्थाओं की सहायता लें जिन्हें विदेशी एम्बेसीज ने मान्यता दे रखी है।

उन्होंने छात्रों को आवेदन-पत्र तैयार करने का तरीका, विश्वविद्यालय का चयन, कोर्स की महत्ता तथा उपयोगी वेबसाइट के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। यूएसआईईएफ की वरिष्ठ शैक्षणिक सलाहकार रुपाली वर्मा ने कहा कि छात्रों को अमेरिका पढ़ाई के लिए जाना चाहिए न कि बसने के लिए। सुखद यह है कि हाल के वर्षों में ऐसा देखा भी जा रहा है। इससे भारत से प्रतिभा पलायन में कमी आई है।

अमेरिका के प्रोफेसर एवं इंजीनियर डॉ. राकेश के. पंगासा, ईटीएस इंडिया टीओईएफएल और जीआरई के उत्तर और पूर्वी भारत के क्षेत्रीय प्रबंधक जोसेफ ऑगस्टीन ने भी छात्रों का मार्गदर्शन किया। वक्ताओं ने कक्षा 11-12 के अलावा स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को अमेरिका के विभिन्न शैक्षिणिक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की जानकारी दी। छात्रों को भारतीय और अमेरिकी शिक्षा पद्धति के अंतर, आवेदन-पत्र प्रस्तुत करना तथा अमेरिकी शिक्षा संस्थानों द्वारा दी की जाने वाली आर्थिक सहायता के बारे में बताया। इंडो अमेरिकन चैंबर ऑफ कामर्स वाराणसी के अध्यक्ष राजेश कुमार तिवारी ने स्वागत किया। संचालन बीएन जॉन एवं उपाध्यक्ष आलोक कुमार बरनवाल ने किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी जिज्ञासाओं का भी विशेषज्ञों से समाधान पाया। इस दौरान चैंबर उपाध्यक्ष सीए शिशिर उपाध्याय, पूर्व अध्यक्ष सीए सुदेशना बासु, पूर्व अध्यक्ष जेपी मुंद्रा, पूर्व अध्यक्ष सीए विनय कुमार, खाकसार आलम परवेज अंसारी, सीए ब्रजेश जायसवाल, रियाजुल हुसैन, प्रो. रत्नशंकर मिश्रा, प्रो आशुतोष मोहन, शालिनी मेहरा, प्रत्याशा डे आदि रहे।

अटल कन्वेंशन सेंटर में इंडो अमेरिकन चैंबर ऑफ कामर्स की ओर से गुरुवार को आयोजित सेमिनार को संबोधित करतीं अमेरिकी दूतावास की शिक्षा सलाहकार रुपाली वर्मा (ऊपर) व (बाएं) कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राएं।

300 विद्यार्थियों के साथ अभिभावकों ने लिया भाग

संगोष्ठी के प्रथम सत्र में कक्षा 11-12 के विद्यार्थियों और दूसरे सत्र में स्नातक और स्नातकोत्तर के छात्रों को जानकारी दी गई। कार्यक्रम में 300 से ज्यादा विद्यार्थियों-अभिभावकों और शिक्षकों ने भाग लिया। इनमें डब्ल्यूएच स्मिथ स्कूल, वुडवर्ड पब्लिक स्कूल भदोही, सनबीम इंग्लिश स्कूल भगवानपुर, सनबीम इंग्लिश स्कूल भदोही, सनबीम इंग्लिश स्कूल सारनाथ, सेंट जॉन्स स्कूल मढ़ौली एवं बीएलडब्ल्यू, सनबीम महिला कॉलेज वरुणा, सनबीम कॉलेज फॉर तुमेन भगवानपुर, वसंत महिला कॉलेज राजघाट, बीएचयू के विद्यार्थी थे।

Scanned with CamScanner